प्रकाशक की ओर से

परोपकार एवं नि:स्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा करना भारतीय और अमेरिकी संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। किसी कम भाग्यशाली या वंचित इंसान की मदद और समाज को फ़ायदा पहुंचाने के लिए अपना धन, समय और कौशल अर्पित करने के धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यक्तिगत रूप से कई तरीके हैं। *स्पैन* के इस अंक में हम दान और समर्पण के इसी जज्बे का सम्मान कर रहे हैं, उसे सेलिब्रेट कर रहे हैं। इसके साथ ही कुछ ऐसे विचारों से आपको रूबरू करा रहे हैं जो कि अधिक से अधिक लोगों, खासकर युवाओं को आदर्शवादी बनने, रोमांच पाने और भावी कॅरिअर के लिए प्रशिक्षण हासिल करने में सहायक बनेंगे।

अमेरिका तथा भारत के कुछ विश्वविद्यालय और स्कूल इस बात को महसूस कर रहे हैं कि छात्रों में परोपकार और स्वयंसेवा की भावना का विकास बहुत ज़रूरी है। इस मकसद से ये संस्थान सामुदायिक सेवा को पढ़ाई का एक हिस्सा बना रहे हैं। अगर वंचित इलाकों के युवाओं को ऐसे रचनात्मक कार्यों से जोड़ा जाए, जिनमें स्वयंसेवा की गुंजाइश हो और जिसके लिए उनको कुछ पैसा भी मिल जाए या फिर नौकरी संबंधी प्रशिक्षण ही हासिल हो जाए तो बेरोज़गारी की समस्या से काफ़ी हद तक निपटा जा सकता है। इसका उनकी दुनिया पर काफ़ी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

एक अनुमान के अनुसार, अमेरिका की लगभग 60 प्रतिशत आबादी समय-समय पर स्वयंसेवी कार्यों में शिरकत करती रहती है।

इतिहासविदों के मुताबिक इंसान में एक-दूसरे की मदद करने की भावना का विकास उसकी ज़रूरतों की देन है। अमेरिकी महाद्वीप में जब लोग नए कस्बे और बस्तियां बसाते हुए पश्चिम की ओर बढ़ रहे थे तो उनमें एक-दूसरे से सहयोग की भावना का अच्छा विकास हुआ। काउबॉय पश्चिम के इतिहास का एक हिस्सा रहे हैं। नई दिल्ली में यूएसएड के एक अधिकारी डैनियल मिलर कभी काउबॉय हुआ करते थे और इस बार हमारी आवरण कथा में वह शब्दों और चित्रों के ज़रिये अपनी बात रख रहे हैं। वह कहते हैं कि काउबॉय का इतिहास मिलकर काम करने और एक-दूसरे की सहायता करने का इतिहास है। आपसी सहयोग की यह भावना आज भी उनकी ज़रूरत है।

हमें उम्मीद है कि इस विषय से जुड़े लेख और अन्य रचनाएं आपको पसंद आएंगी तथा आपको कुछ नया सोचने के लिए प्रेरित करेंगी। आशा है अपने इन विचारों को आप हमारे साथ बांटना चाहेंगे। वर्ष 2007 के इस पहले अंक से हम एक नई शुरुआत भी करने जा रहे हैं, और वह है- संपादक के नाम पत्र। यह स्तंभ *स्पैन* की वेब साइट पर भी उपलब्ध होगा।

नववर्ष की शुभकामनाएं!

स्पैन का वेब पता:
http://usembassy.state.gov/posts/in1/wwwhspan.html

Contact us: editorspan@state.gov

For subscriptions or address change: subscriptionspan@state.gov

आवरण: मोंटाना में एक काउबॉय, फोटो: डैनियल मिलर

भूल सुधार: स्पैन के नवंबर-दिसंबर 2006 अंक के आलेख ''घरों का निर्माण, साथ में यादें'' में डॉ. माधवी पेठे को गलत उद्धृत किया गया है कि उनके पिता माली थे। उनके पिता उद्यान अधीक्षक थे।

SPAN स्पैन

जनवरी/ फरवरी 2007

वर्ष: 5 अंक: 1

इस अंक में

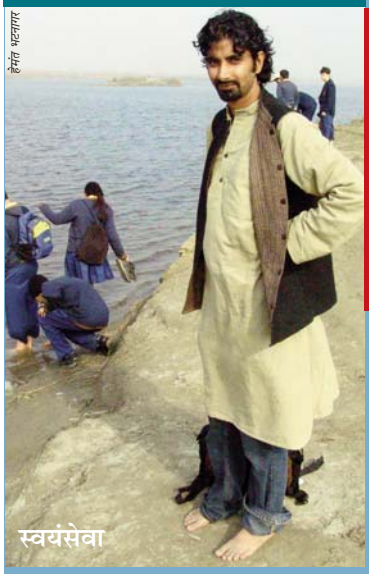
हेमंत भटनागर

स्वयंसेवा

2 *युवा स्वयंसेवक दीपांजली काकाती
6 *राष्ट्रीय विकास के लिए युवा सेवा लॉरिंडा कीज़ लौंग
8 *विश्वविद्यालयी छात्र-छात्राओं में बढ़ी सेवा भावना मार्था पलुक
9 असली ज़िंदगी की पढ़ाई सैल्वाटोर डेलुसा
10 *चैरिटी के लिए अनोखी बोली माइकल मोरेन
13 *चैरिटी मीटर

शिक्षा

14 *कॉन्सुल जनरल पीटर जी. केस्नर दे रहे हैं वीज़ा संबंधी सवालों के जवाब
16 *हर बच्चा जाए स्कूल स्मिता जैन
18 क्या हो यदि हर बच्चे के पास हो कंप्यूटर? जॉसेफ जैकॉब्सन
21 *100 डॉलर के लैपटॉप पर सवाल
22 *एक्सेस ने सिखाई अंग्रेज़ी लॉरिंडा कीज़ लौंग
24 ब्लॉग का कारोबार एंड्रू पी. मैडन
27 मेग एवं जैसन: ब्लॉग पर प्यार की दास्तां रेबेका मीड
29 इंटरनेट पर सामाजिक पहल क्रैग न्यूमार्क
30 *काउबॉय की ज़िंदगी डैनियल मिलर
36 *अमेरिका के संगीत धामों की यात्रा जॉन एडवर्ड हैस
40 *50 साल पहले दीपांजली काकाती
43 अब तो मुस्कराइए

डैनियल मिलर

आवरण कथा

44 धार्मिक सौहार्द का महानायक: मार्टिन लूथर किंग, जू. ईबू पटेल
47 *मार्टिन लूथर किंग, जू. का जन्मदिन लॉरिंडा कीज़ लौंग
48 *मार्टिन लूथर किंग, जू. स्मारक एलिजाबेथ केलेहर
49 एक समय आता है क्रिस्टीन डेलामोर
50 *साहित्य: स्टानले वोल्पर्ट: भारतीय इतिहास से मोहब्बत दीपांजली काकाती
52 *भारतीय अमेरिकी समुदाय: कामयाबी का सफ़र लिसेट बी. पूल
55 *खेल: अमेरिकी बेसबॉल प्रशिक्षकों ने दिए गुर गिरिराज अग्रवाल
56 फोटोग्राफी: खास नज़र बेवरली डब्ल्यू. ब्रैनन
59 *संपादक के नाम पत्र
60 *समाचार गुलदस्ता

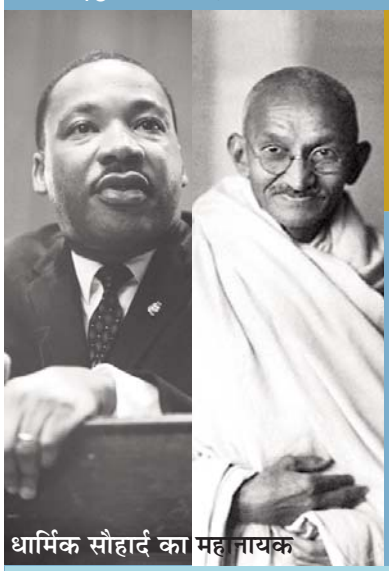

धार्मिक सौहार्द का महानायक

पब्लिक अफेयर्स अनुभाग, अमेरिकन सेंटर, 24 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001 (फोन: 23316841) द्वारा अमेरिकी दूतावास, नई दिल्ली, के लिए प्रकाशित और अजंता ऑफसेट एंड पैकेजिंग लिमिटेड, 95-बी वज़ीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110052 द्वारा मुद्रित। यह आवश्यक नहीं है कि इस पत्रिका में व्यक्त विचार अथवा नीतियां अमेरिकी सरकार की ही हों। अनुमति के बिना इस पत्रिका का कोई भी अंश प्रकाशित नहीं किया जा सकता। इस अंक में 68 पृष्ठ हैं।

*विषय सूची में तारांकित सभी आलेख अनुमति लेकर मुद्रित किए जा सकते हैं। अनुमति के लिए कृपया बिज़नेस मैनेजर आर. नारायण या संपादक लॉरिंडा कीज लौंग से फोन 011-23316841 या ई-मेल editorspan@state.gov पर संपर्क करें।

प्रकाशक : लैरी श्वार्ज
प्रधान संपादक : कोरिना आर. सैन्डर्स
संपादक : लॉरिंडा कीज लौंग
उर्दू संपादक : अंजुम नईम
हिंदी संपादक : गिरिराज अग्रवाल
कॉपी संपादक : दीपांजली काकाती
कला निर्देशक : हेमंत भटनागर
उप कला निर्देशक : खुरशीद अनवर अब्बासी, कासिम रजा
संपादकीय सहायक : शालिनी खंडूजा
प्रोडक्शन/ प्रसार प्रबंधक : राकेश अग्रवाल
प्रोडक्शन सहायक : आलोक कौशिक
बिजनेस मैनेजर : आर. नारायण
शोध सेवा : द अमेरिकन लाइब्रेरी, ब्यूरो ऑफ इंटरनेशनल इन्फरमेशन प्रोग्राम्स